(1) सूची–I को सूची–II के साथ मिलान कीजिए ?

सूची–I	सूची–II
(1) चक्रपाणि	(A) 9 वीं सदी
(2) जेज्जट	(B) 13 वीं सदी
(3) शारंर्धर	(C) 12 वीं सदी
(4) डल्डण	(D) 11 वीं सदी

(a) (1) – **D,** (2) – **C,** (3) – **A,** (4) – **B**
(b) (1) – **D,** (2) – **A,** (3) – **B,** (4) – **C**
(c) (1) – **B,** (2) – **A,** (3) – **D,** (4) – **C**
(d) (1) – **C,** (2) – **B,** (3) – **D,** (4) – **A**

(2) वैद्यक शब्द सिन्धु किसकी रचना है ?
(a) वामन गणेश देसाई
(b) प्रियव्रत शर्मा
(c) उमेश चन्द्र गुप्त
(d) कीर्तिकर व वासु

(3) चोपडा कमेटी की स्थापना किसने की ?
(a) के. एन. उड्डुपा
(b) सी. जी. पण्डित
(c) के. एम. नाडकर्णी
(d)यादवजी त्रिक्रम जी

(4) अष्टांग संग्रह के अनुसार प्रजोत्पादन हेतु पुरूष एंव स्त्री की आयु क्रमशः कितनी होनी चाहिए ?
(a) पुरूष – 21 वर्ष, स्त्री – 18 वर्ष
(b) पुरूष – 25 वर्ष, स्त्री – 16 वर्ष
(c) पुरूष – 20 वर्ष, स्त्री – 16 वर्ष
(d) पुरूष – 25 वर्ष, स्त्री – 18 वर्ष

(5) 'त्रिफला तिमिरघ्नाः' – उक्त कथन किसका है।
(a) चरक
(b) सुश्रुत
(c) वाग्भट्ट
(d) भावप्रकाश

(6) स्याद्वाद किस दर्शन से सम्बंधित है ?
(a) जैन
(b) बौद्ध
(c) मीमांसा
(d) वेदान्त

(7) जैन दर्शन के अनुसार पदार्थो की संख्या है ?
(a) 2
(b) 6
(c) 7
(d) 8

(8) दिशाओं की संख्या है ?

(a) 4

(b) 8

(c) 10

(d) 12

(9) अनुपलब्धि प्रमाण को निम्न में से किस दर्शन ने माना है ?

(a) वेदान्त

(b) वैशेषिक

(c) सांख्य

(d)) बौद्ध

(10) ऋषिक्लिष्ट निम्न में से किससे सम्बधित है ?

(a) कल्पना

(b) अर्थाश्रय

(c) तंत्रदोष

(d) ताच्छील्य

(11) चरक और सुश्रुत के अनुसार संधियों की संख्या क्रमशः है –

(a) 210, 200

(b) 200, 210

(c) 300, 360

(d) 360, 300

(12) विशल्यघ्न मर्म किस दोष से सम्बन्धित है –

(a) वायु

(b) पित्त

(c) कफ

(d) रक्त

(13) गलगण्ड रोग में सिरावेध का स्थान है –

(a) जानुमूल

(b) गुल्फ

(c) उरूमूल

(d) ग्रीवापृष्ठ

(14) शल्य विषयार्थ कहा गया है –

(a) वस्ति

(b) षटचक्र

(c) मर्म

(d) अनिकर्म

(15) स्कन्ध त्रय है –

(a) हेतु, लिंङ्ग, औषध

(b) वात, पित्त, कफ

(c) सत्व, आत्मा, शरीर

(d) आहार, निद्रा, ब्रह्मचर्य

(16) संघात एंव सीमान्त की क्रमशः संख्या है –

(a) 14, 6

(b) 14, 14

(c) 4, 14

(d) 6, 4

(17) अकृशमुत्तम्बलम् यह लक्षण किस सार से संबंधित है –

(a) शुक्रसार

(b) मांससार

(c) मेदसार

(d) मज्जासार

(18) 'धमनी शैथिल्य' निम्न में से किसका लक्षण है –

(a) रक्तक्षय

(b) मांसक्षय

(c) मेदक्षय

(d) मज्जाक्षय

(19) क्रियासन्निरोधश्च किसका लक्षण है ?

(a) बलभ्रंश

(b) ओज विस्स्रंस

(c) ओज व्यापत

(d) ओजक्षय

(20) पित्त का प्राकृतिक रस है –

(a) अम्ल

(b) तिक्त

(c) कटु

(d) कषाय

(21) 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' यह उक्ति है –

(a) गीता

(b) योगसूत्र

(c) महाभारत

(d) घेरण्ड संहिता

(22) चन्द्र नाडी से सम्बन्धित है –

(a) इडा

(b) पिंगला

(c) सुषुम्ना

(d) गान्धारी

(23) जल चिकित्सा के जनक थे –

(a) विंसेट प्रिंस

(b) एडोल्फ जस्ट

(c) लुई कुइने

(d) मैकडोनाल्ड

(24) आहारमात्रा किसकी अपेक्षा करती है –

(a) शरीर बल

(b) अग्निबल

(c) पाचक पित्त

(d) ओज

(25) आदान काल से सम्बन्धित ऋतु है –

(a) वर्षा, शरद, हेमन्त

(b) ग्रीष्म, वर्षा, शरद

(c) शिशिर, बंसत, ग्रीष्म

(d) ग्रीष्म, शरद, हेमन्त

(26) द्रव्यगुण विज्ञान के पदार्थ कितने है ?

(a) 5

(b) 6

(c) 7

(d) 8

(27) राज निघन्टुकार के औषधियों का नामकरण के आधार थे –

(a) 6

(b) 7

(c) 8

(d) 9

(28) तैलवर्ग एंव मधुवर्ग किसकी देन है ?

(a) चरक

(b) सुश्रुत

(c) वाग्भट्ट

(d) प्रियव्रत शर्मा

(29) वृष्य एंव वातहर द्रव्य है ?

(a) एरण्ड

(b) कपिकच्छू

(c) आमलकी

(d) अश्वगंधा

(30) ***Cassia fistula*** किसका लैटिन नाम है ?

(a) चक्रमर्द

(b) सनाय

(c) आरग्वध

(d) किसी का भी नहीं

(31) वज्रमूषा का प्रयोग करते हैं –

(a) सत्वद्रवनार्थ

(b) सत्वपातनार्थ

(c) स्वेदनार्थ

(d) सत्वनिहर्णार्थ

(32) ''गंगातोयविदुच्छवि'' किसके सन्दर्भ में आया है ?

(a) माणिक्य

(b) स्फिटक

(c) हीरक

(d) पुष्पराग

(33) **Green Vitrol** है ?

(a) सस्यक

(b) सौवीरान्जन

(c) कासीस

(d) वैक्रान्त

(34) चरकानुसार क्षार निर्माण में प्रयुक्त जल की मात्रा होनी चाहिए –

(a) 4 गुना

(b) 8 गुना

(c) 6 गुना

(d) 16 गुना

(35) 'विरलद्रवाः' किसके संदर्भ में कहा गया है ?

(a) मण्ड

(b) पेया

(c) यवागू

(d) विलेपी

(36) उपशय के प्रकार है –

(a) 14

(b) 12

(c) 18

(d) 16

(37) वृश्चिक दंशवत पीडा किसमें मिलता लक्षण है –

(a) वातरक्त

(b) आमवात

(c) संधिवात

(d) क्रोष्टुकशीर्ष

(38) काण्डेक्षुरससंकाशम् मूत्रत्याग – किस व्याधि का लक्षण हैं ?

(a) उदकमेह

(b) इक्षुबालिकारसमेह

(c) शीतमेह

(d) मधुमेह

(39) 'ख' वैगुण्य आवश्यक होता है ?

(a) स्रात्रोदुष्टि

(b) स्थान संश्रय

(c) दोषदूष्य सम्मूर्च्छना

(d) उपर्युक्त सभी

(40) निम्न में किस कुष्ठ में वात की प्रधानता होती है ?

(a) कपाल कुष्ठ

(b) परिसर्प कुष्ठ

(c) विचर्चिका

(d) अ, स दोनों

(41) राजयक्ष्मा के षड्रूप में नहीं है –

(a) कास

(b) रक्तपित्त

(c) ज्वर

(d) अरूचि

(42) वातिक छर्दि में निषेध है –

(a) लंघन एंव स्तम्भन

(b) स्तम्भन एंव वमन

(c) लंघन एंव शोधन

(d) वमन और उपवास

(43) ''दोषवेगे च विगते सुप्तवत प्रतिबद्धते'' किसके लिए वर्णित है ?

(a) उन्माद

(b) अपस्मार

(c) मदात्यय

(d) उपर्युक्त सभी

(44) पंचगव्य घृत का प्रयोग नहीं करते है ?

(a) कामला

(b) अपस्मार

(c) ज्वर

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(45) स्नेह वस्ति के व्यापद है –

(a) 10

(b) 6

(c) 12

(d) उर्पयुक्त में से कोई नहीं

(46) 'हृत्पीडन' कौन से विष का लक्षण है –

(a) फल

(b) पुष्प

(c) क्षीर

(d) धातु

(47) चरक, सुश्रुत के अनुसार स्थावर विष के वेग होते है क्रमशः –

(a) 7, 8

(b) 8, 7

(c) 8, 8

(d) 7, 7

(48) विष चिकित्सा चरक के किस चतुष्क में वर्णित है –

(a) भेषज चतुष्क

(b) रोग चतुष्क

(c) कल्पना चतुष्क

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(49) **Rule of Nine** सम्बन्धित है –

(a) **Abrasion**

(b) **Burn**

(c) **Frost bite**

(d) **Heat Stroke**

(50) **I P C 376** सम्बन्धित है –

(a) **Dowry**

(b) **Illegal medical Practice**

(c) **Rape**

(d) **Murder**

(51) ''मैत्रीकारूण्यमार्तेषु' ये गुण है –

(a) राजार्ह वैद्य

(b) उत्तम वैद्य

(c) सिद्धसाधित वैद्य

(d) वैद्य वृत्ति

(52) आचार्य चरक के अनुसार लवण का कर्म है –

(a) क्लेदयति

(b) विष्यंदयति

(c) पाचयति

(d) कोई नहीं

(53) गूढलिंङ्गव्याधि का अनुमान निम्न में से किससे करते है –

(a) उपशय से

(b) अनुपशय से

(c) दोनों से

(d)युक्ति से

(54) अग्निकर्म एंव क्षारकर्म निम्न में से किस धातु प्रदोषज विकार के लिए बताया गया है –

(a) मेद प्रदोषज

(b) मज्जा प्रदोषज

(c) अस्थि प्रदोषज

(d) मांस प्रदोषज

(55) निदानार्थकर रोगों के संदर्भ में निम्न में से कौन सा विकल्प सत्य है –

(a) प्रतिश्याय → कास → क्षय

(b) कास → प्रतिश्याय → क्षय

(c) क्षय → प्रतिश्याय → कास

(d) प्रतिश्याय → कास → शोष

(56) 'सर्वेन्द्रियाणि सर्वांगावयव' गर्भिणी के किस माह में का लक्षण हैं –

(a) द्वितीय

(b) तृतीय

(c) चतुर्थ

(d) पंचम्

(57) गर्भिणी में उदावर्त रोग चिकित्सा करते है –

(a) दीपन

(b) निरूह वस्ति

(c) अनुवासन वस्ति

(d) उपर्युक्त सभी

(58) असाध्य आतर्व दोष है –

(a) 3

(b) 4

(c) 5

(d) 6

(59) 'दर्भसंस्तरशायनी' है –

(a) ऋतुस्नाता

(b) ऋतुमती

(c) गर्भिणी

(d) उपर्युक्त सभी

(60) किक्किस की चिकित्सा में प्रयोग करते है –

(a) चन्दन

(b) कोलोदक

(c) मृणाल

(d) उपर्युक्त सभी

(61) दन्तोत्पत्ति का कारण है –

(a) रस एंव अस्थि

(b) अस्थि एंव मज्जा

(c) रक्त एंव मांस

(d) मज्जा एंव मेद

(62) क्षीरान्नाद की औषधि मात्रा है –

(a) कोल संमिता

(b) कोलास्थि संमिता

(c) द्विकोल सम

(d) शुष्कामलक सम

(63) पारिगर्भिक की चिकित्सा है –

(a) शोधन

(b) अग्निदीपन

(c) शमन

(d) उपर्युक्त सभी

(64) दूधकट्टा है ?

(a) पारिगर्भिक

(b) बालशोष

(c) फक्क रोग

(d) कोई नहीं

(65) 'ओष्ठभेद' है –

(a) खण्डौष्ठ

(b) सहज व्याधि

(c) वातज व्याधि

(d) उपर्युक्त सभी

(66) जातं जातं जलं स्राव्यमेव किसके लिए कहा गया है ?

(a) वातोदर

(b) जलोदर

(c) छिद्रोदर

(d) बद्धगुदोदर

(67) पिप्पली वर्धमान रसायन का प्रयोग बलवान आतुर में कौनसे स्वरूप में करना चाहिए –

(a) चूर्ण

(b) कल्क

(c) क्वाथ

(d) उपर्युक्त सभी

(68) ज्वर की प्रवृत्ति है –

(a) रूद्रकोप

(b) परिग्रह

(c) **Both**

(d) **None**

(69) लशुन क्षीर का रोगाधिकार है –

(a) उन्माद

(b) अपस्मार

(c) गुल्म

(d) कोई नहीं

(70) एलादि गुटिका की मात्रा है –

(a) 1 अक्ष

(b) 1 कर्ष

(c) 1 तोला

(d) उपर्युक्त सभी

(71) अत्यधिक प्रवृद्धावस्था में नेत्र एंव कर्ण को नष्ट कर देता है –

(a) अपतानक

(b) अर्द्धावभेदक

(c) शंखक

(d) **None**

(72) रक्त के नस्य का निर्देश किसकी चिकित्सा में मिलता है –

(a) क्षयज शिरोरोग

(b) सूर्यावर्त

(c) कृमिज शिरोरोग

(d) सन्निपातज शिरोरोग

(73) कौनसा लिंगनाश असाध्य नहीं है –

(a) वातिक लिंगनाश

(b) पित्तज लिंगनाश

(c) कफज लिंगनाश

(d) रक्तज लिंगनाश

(74) कार्पासी फलसन्निभम् लक्षण है –

(a) गलशुण्डिका

(b) तुण्डीकेरी

(c) कपालिका

(d) उपर्युक्त सभी

(75) सुश्रुतानुसार नेत्र रोग की संख्या है –

(a) 4

(b) 76

(c) 96

(d) 94

(76) 'कौब्जयं' किसका लक्षण है –

(a) स्नायु विद्ध

(b) संधि विद्ध

(c) सिरा विद्ध

(d) मांस विद्ध

(77) यन्त्रणा के कितने भेद होते है –

(a) 4

(b) 5

(c) 3

(d) 2

(78) 'शब्दप्रादुर्भावो' कौनसे दग्ध का लक्षण है –

(a) मांसदग्ध

(b) सिरादग्ध

(c) स्नायुदग्ध

(d) त्वकदग्ध

(79) कौन से भगन्दर में छिद्र स्राव होता है –

(a) उष्ट्रग्रीव

(b) परिस्रावी

(c) शतपोतक

(d) शम्बूकार्वत

(80) 'चित्रोत्थानप्रपाक' किस विद्रधि के लिए कहा गया है –

(a) वातज

(b) पित्तज

(c) कफज

(d) सन्निपातज

"Answer Sheet"

PRE P.G. (AYURVED) Exam- 2010

Sub. Code - 1096/PAYD **SET-A**

Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.
1	B	11	B	21	B	31	B	41	B	51	D	61	B	71	B
2	C	12	A	22	A	32	B	42	C	52	B	62	B	72	C
3	*	13	C	23	C	33	C	43	B	53	C	63	B	73	B
4	B	14	*	24	B	34	*	44	D	54	A	64	A	74	B
5	C	15	*	25	C	35	D	45	B	55	A	65	D	75	B
6	A	16	B	26	C	36	C	46	D	56	B	66	C	76	B
7	B	17	D	27	B	37	B	47	B	57	C	67	B	77	C
8	C	18	B	28	B	38	B	48	D	8	*	68	C	78	D
9	A	19	A	29	A	39	*	49	B	59	A	69	C	79	C
10	B	20	C	30	C	40	*	50	B	60	D	70	D	80	A

Note - * sign means Question have been canceled after exam.